स्वतन्त्र भारत में राजनीति

पाठ- 1

राष्ट्र निर्माण की चुनौतियाँ

13/9/2022

Page No.:
Date: / /

(1.) नए राष्ट्र की चुनौतियाँ :—

⇒ 14-15 अगस्त 1947 की मध्यरात्रि को भारत स्वतंत्र हुआ भारत की जनता इसी क्षण की प्रतीक्षा कर रही थी।

⇒ स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इस रात संविधान सभा के एक विशेष सत्र को संबोधित किया था उनके द्वारा दिया गया यह प्रसिद्ध भाषण "भाग्यवधू से 'चिर-प्रतीक्षित भेंट" या "ट्रिस्ट विद् डेस्टिनी' के नाम से जाना जाता है।

⇒ स्वतंत्र भारत का जन्म अत्यन्त कठिन परिस्थितियों में हुआ तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के साथ ही देश का विभाजन भी दो राष्ट्रो भारत और पाकिस्तान में हुआ।

⇒ स्वतंत्रता प्राप्ति के साथ ही स्वतंत्र भारत को व्यापक स्तर पर साम्प्रदायिक दंगो को झेलना पड़ा। बंगाल, दिल्ली पंजाब के विभिन्न स्थानों पर भयंकर रक्तपात और नरसंहार की त्रासदी मानव ने झेली थी।

⇒ स्वतंत्र भारत के समक्ष प्रमुख चुनौतियाँ थी :—

(i) भारतीय क्षेत्रीय अखण्डता को कायम रखना।

(ii) लोकतांत्रिक व्यवस्था को सफलतापूर्वक लागू करना

(iii) आर्थिक विकास तथा गरीबी को समाप्त करने हेतु नीति निर्धारित करना।

(iv) शरणार्थियो का पुनर्वास करना।

⇒ स्वतंत्रता के तुरन्त पश्चात राष्ट्र-निर्माण में राष्ट्रीय एकता और सुरक्षा का प्रश्न सबसे प्रमुख चुनौती के रूप में उभरकर सामने आया।

PANKAJ
Page No.:
Date : / /

(2.) विभाजन : विस्थापन और पुनर्वास :—

⇒ 14-15 अगस्त 1947 को एक नहीं बल्कि दो राष्ट्र – भारत और पाकिस्तान – अस्तित्व में आए। ऐसा 'विभाजन' के कारण हुआ। ब्रिटिश इंडिया को 'भारत' और 'पाकिस्तान' के रूप में बाँटा गया।

⇒ मुस्लिम लीग ने 'द्वि-राष्ट्र सिद्धांत' की बात की थी।

⇒ कांग्रेस ने 'द्वि-राष्ट्र सिद्धांत' तथा पाकिस्तान की माँग का विरोध किया।

⇒ भारत और पाकिस्तान का विभाजन दर्दनाक था। विभाजन हेतु धार्मिक बहुसंख्या को आधार बनाया गया अर्थात जिन इलाके में मुसलमान बहुसंख्यक थें वे इलाके 'पाकिस्तान' तथा शेष हिस्से 'भारत' कहलाए।

⇒ विभाजन की प्रक्रिया :— (i) दो पाकिस्तान :—
उस समय भारत में दो ऐसे क्षेत्र थे जहाँ मुस्लिम ज्यादा थे एक था पूर्व में और दूसरा था पश्चिम में। इसी वजह से दो पाकिस्तान (पूर्वी पाकिस्तान तथा पश्चिमी पाकिस्तान) का निर्माण हुआ।

(ii) राज्यों का विभाजन :—
पंजाब तथा बंगाल दो ऐसे राज्य थे जहाँ मुस्लिम तथा हिन्दू दोनो ही समान मात्रा में थे इस वजह से इन राज्यों का विभाजन करना पड़ा।

(iii) जनता की असहमति :—
बहुत से ऐसे लोग भी थे जो पाकिस्तान में नहीं जाना चाहते थे जिसमें प्रमुख थे खान अब्दुल गफ्फार खान इन्हें 'सीमान्त गाँधी' भी कहा जाता है।

(iv) अल्पसंख्यकों की समस्या :—
ऐसा नहीं था कि पाकिस्तानी क्षेत्र में हिन्दू नहीं थे या भारतीय क्षेत्र में मुसलमान नहीं थे। दोनों ही क्षेत्रों में अल्पसंख्यक मौजूद थे। यही समस्या आगे जाकर दंगों का कारण बनी।

⇒ विभाजन के परिणाम :—

(i) विभाजन के परिणामस्वरूप एक जगह की आबादी दूसरी जगह जाने को मजबूर हुई। आबादी का यह स्थानान्तरण आकस्मिक अनियोजित तथा त्रासदीपूर्ण था। मानव इतिहास के अब तक ज्ञात सबसे बड़े स्थानान्तरणों में से यह एक था। धर्म के नाम पर एक समुदाय के लोगों ने दूसरे समुदाय के लोगों को बेरहमी से मारा।

(ii) बँटवारे के फलस्वरूप शरणार्थियों की समस्या उत्पन्न हो गई, और उनके पुनर्वास की समस्या का सामना करना पड़ा।

(iii) वित्तीय सम्पत्ति के साथ-साथ सरकारी और रेलवे के कर्मचारियों का भी बँटवारा हुआ

(iv) विभाजन के कारण 80 लाख लोगों को घर छोड़ना पड़ा और पाँच-दस लाख लोगों ने अपनी जान गँवाई।